"हमारे लोकतांत्रिक ढांचे में टकराव और असहिष्णुता की राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है"
- लोक सभा अध्यक्ष

कोहिमा, 29 नवम्बर, 2014: आज नागालैंड विधान सभा की स्वर्ण जयंती के अवसर पर नागालैंड विधान सभा द्वारा आयोजित समारोह में बोलते हुए लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कहा कि विधानमंडल लोकतंत्र की आत्मा हैं और देश की नियति का निर्धारण करते हैं । इसलिए सभी विधायकों की यह जिम्मेदारी है कि वे शासन प्रणाली को अधिक सार्थक, सहभागितापूर्ण और समावेशी बनायें ताकि वे लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतरें । उन्होंने कहा कि लोकतात्रिक स्वतंत्रता को और मजबूत बनाने के लिए विधायकों को उन ताकतों और तत्वों का मुकाबला करना होगा जो हमारी सामाजिक-राजनीतिक संस्कृति को नुकसान पहुंचाने और हमारी लोकतात्रिक संस्थाओं का महत्व कम करने की कोशिश कर रहे हैं । उन्होंने सभी विधायकों से अपील की कि वे प्रातिनिधिक शासन प्रणाली को और मजबूत बनाने के लिए योगदान दें और सुनिश्चित करें कि हमारे लोकतांत्रिक ढांचे में टकराव और असहिष्णुता की राजनीति के लिए कोई जगह न हो । उन्होंने विधायकों से राष्ट्र की एकता और लोगों की खुशहाली के व्यापक हित में सामंजस्य और समन्वय की राजनीति को स्थान देने के संयुक्त प्रयास करने का आग्रह किया ।

श्रीमती महाजन ने नागालैंड के लोगों और नागालैंड विधान सभा के सदस्यों को राज्य में लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओंका संरक्षण बड़े उत्साह के साथ करने के लिए बधाई दी । नागालैंड में लोकतंत्र की सफलता के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष1964 में हुए पहले विधान सभा चुनावों में 50 फ़ीसदी लोगों से शुरूआत करके नागालैंड में वोट देने वालों की संख्या कई गुना बढ़कर लगभग 90 प्रतिशत हो गयी है । जहां वर्ष 2013 में हुए पिछले विधान सभा चुनाव में 90 प्रतिशत लोगों ने वोट दिया था वहीं राज्य में हाल ही में हुए लोक सभा चुनाव में 87 प्रतिशत से अधिक लोगों ने वोट दिया है जो इन आम चुनावों में किसी भी राज्य में पड़ेवोटों की तुलना में यह सबसे बड़ी संख्या है ।

इस अवसर पर नागालैंड राज्य के राज्यपाल माननीय श्री पी.बी. आचार्य; मुख्यमंत्री श्री टी.आर. जेलियंग और नागालैंड विधानसभा के अध्यक्ष, श्री चोटिसु साज़ो भी मौजूद थे।